रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

समता, स्वतंत्रता और विश्व बंधुत्व की भावना के लिए बाबा साहेब ने किया जीवन भर संघर्ष–कुलपति प्रो. मिश्र

– विवि शारीरिक शिक्षण विभाग में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन

जबलपुर 13 अप्रैल। बाबा साहेब ने जीवनभर समता, समानता, स्वतंत्रता और विश्वबंधुत्व की भावना के लिए संघर्ष किया। उनका पूरा जीवन दो लक्ष्यों पर केंद्रित, समर्पित था। एक, शोषित–पीड़ित बांधवों की सेवा और दूसरा, राष्ट्रहित सर्वोपरि। बाबासाहेब आंबेडकर अपने जीवनकाल में सामाजिक और राष्ट्र जीवन के अनेक पहलुओं पर कार्य करते रहे। बाबा साहेब के मार्गदर्शन में ही हमारा राष्ट्र विकास की ओर निरंतर अग्रसर है। बाबा साहब ने कहा था कि सबको साथ लिए बिना हम भारत के उत्थान की कल्पना नहीं कर सकते। उपरोक्त विचार माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में विवि के शारीरिक शिक्षण विभाग में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किये।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षण विभाग में आजादी के अमृत महोत्सव के कार्यक्रमों की श्रृंखला में बुधवार को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के जयंती समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व कुलपति एवं विभाग की वरिष्ठ आचार्य प्रो. अलका नायक ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर एक विख्यात सामाजिक कार्यकर्ता, अर्थशास्त्री, कानूनविद, राजनेता और सामाज सुधारक थे। उन्होंने दलितों और निचली जातियों के अधिकारों के लिए छुआछूत और जाति भेदभाव जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ संघर्ष किया है। उन्होंने भारत के संविधान को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

गरीब मजदूरों के मसीहा थे डॉ. अम्बेडकर–

कार्यक्रम में विवि छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विवेक मिश्र ने कहा कि गरीबों और मजदूरों के लिए बाबा साहब जीवन भर संघर्ष करते रहे। वर्ष 1942 में ब्रिटिश शासक देश के गरीबों और मजदूरों से 12 घंटे तक मजदूरी करवाते थे, लिहाजा उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के समक्ष इस अन्याय के विरुद्ध

संघर्ष किया। आज आठ घंटे काम का अधिकार जो हमें मिला है, वह बाबा साहब की ही देन है। निश्चित रूप से बाबा साहब संघर्ष और समरसता की प्रतिमूर्ति थे। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन करते हुए विवि शारीरिक शिक्षण विभागाध्यक्ष डॉ. विशाल बन्ने ने कहा कि डॉ. आंबेडकर द्वारा किए गए सामाजिक और राजनीतिक सुधारों का आधुनिक भारत पर गहरा प्रभाव पड़ा है। उनके राजनीतिक और सामाजिक दर्शन के कारण ही आज पिछड़े समुदायों में शिक्षा को लेकर सकारात्मक समझ पैदा हुई जो कि आज भी कायम है यह उनके दूरदर्शी सोच का परिचायक है। संचालन विभाग के डॉ. सतीष पाण्डे ने किया। इस अवसर पर एस.एस. ठाकुर, डॉ. प्रसनजीत सिंह चटर्जी, कन्हैया कु. राठौर, डॉ. मनीष मिश्रा, हेमन्त शर्मा, डॉ. हरीश यादव, डॉ. प्रवेश पाण्डेय, अंश यादव, प्रवीण पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

.....

एन.एस.एस. के स्वयंसेवकों ने पक्षियों के लिए वृक्षों में सकोरे लगाए

इस पुण्य कार्य में सभी सहभागी बनें–कुलपति प्रो. मिश्र

जबलपुर 13 अप्रैल। रादुविवि में माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र के नेतृत्व में एन.एस.एस. के स्वयंसेवकों द्वारा विभिन्न विभागों एवं मुख्य प्रशासनिक भवन के सामने स्थित बगीचे के वृक्षों में 20 सकोरे लगाए गए ताकि इस भीषण गर्मी में प्यासे पक्षियों को राहत मिल सके। मान. कुलपति प्रो. मिश्र ने एन.एस.एस. के स्वयंसेवकों की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए कहा कि इस पुण्य कार्य में सभी सहभागी बनें।

इस अवसर पर एन.एस.एस. समन्वयक डॉ. अशोक मराठे, सहायक कुलसचिव श्री अभयकांत मिश्रा, कार्यक्रम अधिकारी मुक्त इकाई डॉ. देवांशु गौतम सहित एन.एस.एस. के स्वयंसेवक एवं विश्वविद्यालय के कर्मचारी उपस्थित थे।